दिव्यांगजन समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण व क्षमतावर्द्धन कार्यक्रम:

किसी भी आपदा की स्थिति में दिव्यांगजन सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। आपदाओं में दिव्यांगों और खासकर विशेष बच्चों को महफूज रखना बड़ी चुनौती है। प्राधिकरण के इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों खासकर दिव्यांग बच्चों को आपदा की स्थिति में सुरक्षित रखना है। इसके लिए विशेष बच्चों के शिक्षकों, प्रशिक्षकों, परिजनों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सबसे पहले विशेषज्ञों की मदद से एक मॉड्यूल

(हस्तपुस्तिका) तैयार किया गया। पायलट प्रोजेक्ट के तहत पटना जिले के दिव्यांगजनों से संबंधित स्कूलों व संस्थानों के शिक्षकों-प्रशिक्षकों को मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही पांच विद्यालयों में 500 से ज्यादा दिव्यांग बच्चों को आपदाओं से बचाव की जानकारी मॉकड्रिल के जरिये दी गई। दिव्यांग बच्चों में यह आत्मविश्वास पैदा करना भी इस कार्यक्रम का लक्ष्य है। प्राधिकरण ने इन बच्चों को बिहार दिवस व सोनपुर मेला जैसे बड़े आयोजनों में मंच प्रदान किया, जहां इन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।